आवास ने की आईएफसी के साथ साझेदारी, दक्षिण एशिया में "ग्रीन हाउसिंग" के वित्तपोषण का किया जाएगा अन्वेषण

पर्यावरणीय संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता के अनुपालन में आवास फाउंडेशन ने आईएफसी के साथ ग्रीन लोन की लाभप्रदता को समझने के लिए दो साल की साझेदारी की है, जिसमें हाउसिंगफाइनेंस कंपनियों के द्वारा ग्रीन बांड्स उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर विचर विमर्श किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य है भारत में ग्रीन लेंडिंग उत्पादों के लिए एक रोडमैप तैयार करना। उक्त व्यवस्था को आईएफसी, आवास फाउंडेशन और आवास फाइनेंसर्स के बीच त्रिपक्षीय समझौते के रूप में निष्पादित किया गया है।

आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड एक रिटेल, किफायती हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है, जो मुख्य रूप से भारत में कम और मध्यम आय वाले ग्राहकों की सेवा करती है, जिनके पास बैंकिंग क्रेडिट की बहुत कम या कोई पहुँच नहीं है। आवास कम आय वाले उधारकर्ताओं के लिए अभिनव वित्तपोषण समाधान विकसित कराने के लिए समावेशी और स्थायी ऋण देने के विकल्पों की जांच करना चाहता है।

आईएफसी इस अध्ययन के तहत प्रमुख कार्य करेगा तथा आवास फाउंडेशन आईएफसी को आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करेगा और अपने स्टाफ़ से जोड़ेगा। इस वर्ष की

शुरुआत में आवास फाउंडेशन ने जयपुर शहर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया था। “न केवल भारत में, बल्कि एशिया के अन्य हिस्सों में भी ग्रीन हाउसिंग फाइनेंस के विकास के लिए यह अध्ययन प्रमुख साबित होगा। यह अंततः जनता को एक टिकाऊ और संसाधन-कुशल जीवन शैली में स्थानांतरित करने में मदद करेगा ”, आवास फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री घनश्याम रावत ने टिप्पणी की। फाउंडेशन और आईएफसी के बीच दीर्घकालिक एवं स्थिरता-केंद्रित संधि की दिशा में यह एक प्रमुख पहल होगी।